गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

कुलगीत

परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

इसी भूमि से राष्ट्रपिता ने विश्व शान्ति सन्देश दिया
शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक विकास को शिक्षा का आदर्श किया
सदाचार को नित संकल्पित सत्य-शिक्षा का पुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्वज्ञान का पुंज हमारा ।।

भूमि लौह पुरुष की जिससे एकीकृत हुआ भारत महान
चिन्तन हेमचन्द्र, दयानन्द का, लोथल से हुई सभ्यता महान
साबरमती, नर्मदा से सिंचित सामाजिक ज्ञान का कुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

द्वारिकाधीश पर गर्व करें हम गीता का जिसने ज्ञान दिया
कर्म, भक्ति और ज्ञान ज्योति से मानव का उत्थान किया
उनके दिव्य दर्शन से प्रेरित कर्म ज्ञान का कुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

भाषा, शिक्षा, रसायन, प्रबंधन, विविध ज्ञान, विज्ञान समागम
नवाचार से विश्वविद्यालय में जहाँ शोधरत हर जनमन
नयी विधा में शोध व शिक्षण, ज्ञान सृजन का कुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्वज्ञान का पुंज हमारा

परम पावन अति मनभावन, यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

- प्रो. रमा शंकर दूबे